Hindi

Course / Program- B.A.

Duration- Three Years

Affiliation- Shivaji University, Kolhapur.

Pattern of program- Semester

Course Structure-

B.A. Part-I	Sem-I	Paper-I
	Sem-II	Paper-II
B.A. Part-II	Sem-III	Paper- III & IV
	Sem-IV	Paper- V & VI
B.A. Part-III	Sem-V	Paper- VII, VIII, IX, X, XI
	Sem-VI	Paper- XII, XIII, XIV, XV, XVI

Course Type- Grantable

Course Outcomes (CO)-

1.उद्देश्य

- हिंदी साहित्य कि आधुनिक विधाओं से को परिचित कराना ।
- हिंदी के वैश्विक महत्व से परिचित कराना ।
- रचनाओ के माध्यम से आधुनिक समस्याओं से परिचित कराना तथा उनाका समाधान तलाशना ।
- रचनात्मक विवेक पैदा करना |
- भाषा के सही प्रयोग से परिचित करना |
- आलोचनात्मक समझ को विकसित करना |

- हिंदी साहित्य के इतिहास को कालक्रमानुसार अवगत करना |
- हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियोंसे तथा हिंदी की कालजयी रचनाए और रचनाकारों के सामान्य परिचय से अवगत कराना |
- भारतीय तथा पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतो तथा हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियो का ज्ञान प्राप्त कराना |
- साहित्य की मर्मगृहिणी क्षमता का विकास कराना|
- राजभाषा एंव राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के विकास से को अवगत कराना |
- व्यावहारिक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों से को परिचित कराना |
- आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी के बढते प्रयोग एंव संभावनाओ से छात्रो को परिचित कराना |
- अनुवाद का स्वरूप, प्रकार आदि से को अवगत कराना|
- भाषा के विविध रुपो का परिचय कराना |
- भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय कराना |
- हिंदी भाषा एवं लिपी के उद~भव और विकास का परिचय कराना |
- भाषा की शुद्धता के प्रति को सचेत कराना |
- मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से को परिचित कराना |

2. Programme Outcomes (PO)

- **पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रो में विविध भाषा कौशल एवं क्षमताओ का विकास - जैसे,**
    1. उत्तम वक्ता / वक्तृत्त्व कला का विकास |
    2. आकाशवाणी / दूरदर्शन / सांस्कृतिक - सामाजिक कार्यक्रमो में निवेदक के रूप में निवेदन कौशल का विकास |
    3. विभिन्न कार्यक्रमो में सूत्रसंचलन |
    4. आकाशवाणी तथा दूरदर्शन पर कार्यक्रम अधिकारी के रूप में |

5. जनसंचार मध्यमों में तथा विविध सरकारी कार्यालयों में अनुवादक |
6. भ्रमणध्वनी कंपनियों में भाषा तकनिशियन एवं भाषा वैज्ञानिक के रूप में जैसे बी.एस.एन.एल., आयडिया, अँपल, टेलिनॉर आदि |

- **नैतिक क्षमताओ का विकास जैसे-**

1. राजभाषा अधिकारी (लोकसभा, विधानसभा - भवन, राष्ट्रीयकृत बैंक, केंद्रीय मंत्रालय के विविध विभाग)
2. राज्य लोकसेवा आयोग एवं केंद्रिय लोकसेवा आयोग में उच्चपदस्य तथा सहयोगी अधिकारी के रूप में |
3. जनसंचार माध्यमों से संलग्न - जनसंपर्क अधिकारी के रूप में |
4. राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर कार्यरत हिंदी प्रचार संस्थाओ में अध्यक्ष, संचालक, सचिव, समन्वयक आदि रूप में |
5. संचार माध्यमों में विज्ञापनो के अनुवादक के रूप में |
6. रेल्वे एवं बीमा निगम कार्यालयों में हिंदी लिपिक, क्लर्क, अधिकारी के रूप में |

Program Specific Outcomes [PSO]

1. छात्राओं में भाषिक क्षमताओ का विकास कर विभिन्न कौशल निर्माण करते हैं |
2. ललित, साहित्यिक, वैचारीक लेखन की क्षमता प्रत्यक्ष लेखन विधि (हिंदी साहित्य विशेषांक एवं बहुभाषी कविसंमेलन, काव्यपाठ) से, पठन विधि से विकसित करने की कोशिश करते हैं |
3. जीवन एवं व्यवसाय- नौकरी के क्षेत्र की भाषागत व्यवहारनीति की कुशलता - क्षमता विकसित करते हैं|
4. राजभाषा हिंदी के माध्यम से रोजगार के तमाम अवसर मिल सकते है - यह विश्वास दिलाते हैं |

5. साहित्य के आस्वादन - आस्वासन से जीवन की समस्याए की संघर्ष के द्वारा साध्य प्राप्ती करने की प्रेरणा देते हैं |
6. रसिक वृत्ति से जीवन जीने की कला दृष्टी विकसित करते हैं |